## Topic 1 :– वल्लभाचार्य (1479-1531)

**चर्चा में क्यों :-** हाल ही में वल्लभाचार्य की 545वीं जयंती मनाई गई।

श्री वल्लभाचार्य का समय :– 1479-1531 ई

**उपाधि:–** वल्लभ तथा महाप्रभु वल्लभाचार्य ।

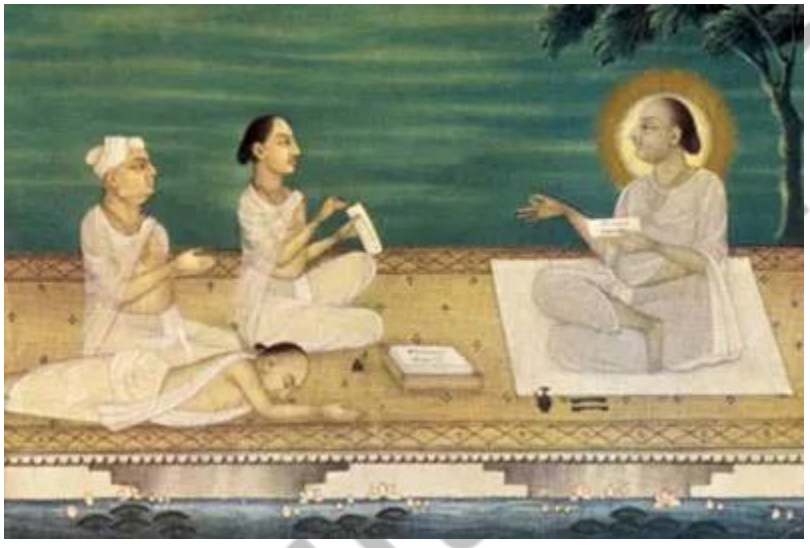



**कौन थे वल्लभाचार्य :–** भगवान कृष्ण के भक्त, उत्तरादि तैलंग ब्राह्मण, प्रसिद्ध विद्वान , संत और वेदों और उपनिषदों के ज्ञाता थे।

### वल्लभाचार्य के बारे में:

इनका जन्म मध्य प्रांत के रायपुर के चम्पारण्य में हुआ था।
वल्लभाचार्य श्री चैतन्य महाप्रभु के समकालीन थे। इनका योगदान भक्ति आंदोलन के महत्वपूर्ण था तथा ये इसके अग्रदूतों में से एक थे ।

### प्रमुख योगदानः

- इन्होंने पुष्टिमार्ग भक्ति परंपरा की स्थापना की ।
- वल्लभाचार्य ने अपने दर्शन के केंद्र में साहित्य के रूप में ब्रह्मसूल व श्रीमद्भगवत गीता को रक्खा।
- वल्लभाचार्य ने वैष्णववाद के पुष्टि संप्रदाय की स्थापना की।
- इन्होंने दर्शन के रूप में शुद्ध अद्वैतवाद ( शुद्धाद्वैत ) की स्थापना की थी।

Resulta

- इनका यह दर्शन वेदांत दर्शन पर आधारित है।
- वल्लभाचार्य जी मुख्यत भक्ति,निःस्वार्थ सेवा, सामाजिक न्याय और समानता पर बल दिया ।
- वल्लभाचार्य द्वारा रचित कुछ महत्वपूर्ण साहित्यिक कृतियां: भागवत पर सुबोधिनी टीका,विष्णुपद , सिद्धांत रहस्य, भागवत लीला रहस्य, ब्रह्मसूत्र पर अणुभाष्य, एकांत-रहस्य,सोलह स्वतंत्र ग्रंथ के रूप में "षोडश ग्रंथ" आदि।

## Topic 2:– नेपाल द्वारा अपनी मुद्रा के ऊपर भारतीय राज्य क्षेत्र को दर्शाया गया है

**चर्चा में क्यों :–** नेपाल ने हाल ही में 100 रुपये के नोट पर भारतीय राज्यक्षेत्रों को दर्शाने का निर्णय लिया है इन नोटों के छपाई की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है

**नोटों की विशेषता :–** इन नोटों पर नेपाल ने अपने देश के नक्शे के साथ ही भारतीय राज्यक्षेत्रों को अपने क्षेत्र भी दर्शाया है। क्योंकि लंबे समय से नेपाल इन भारतीय राज्यक्षेत्रों को अपना क्षेत्र घोषित करता रहा है।

**किन क्षेत्रों पर किया नेपाल ने दावा :–** लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी।

## विवाद के क्षेत्र:-

**कालापानी :-** यह क्षेत्र भारत, नेपाल और तिब्बत (चीन) के बीच एक ट्राइ जंक्शन पर स्थित है यह भारत और नेपाल के बीच सबसे बड़ा क्षेत्रीय विवाद है। यह भारत का राज्य क्षेत्र है परंतु नेपाल लंबे समय से इस पर दावा करता रहा है।

## विवाद की शुरुआत कैसी हुई:

यह विवाद ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से ही बना हुआ है।
1816 में सगौली की संधि हुई यह संधि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और तत्कालीन नेपाली गोरखा शासकों के मध्य संपन्न हुई ।
**संधि में प्रमुख प्रावधान :-** 1. उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र का सीमांकन किया गया

2. काली नदी को भारत और नेपाल के मध्य सीमा निर्धारित किया गया ।

काली नदी के पश्चिम में स्थित क्षेत्र जिसके अंतर्गत कुमाऊ-गढ़वाल शामिल थे इन्हें भारतीय क्षेत्र माना गया

परंतु विवाद दोनों देशों के बीच काली नदी की उत्पत्ति को लेकर है क्योंकि दोनों देश ही इसकी उत्पत्ति को अलग-अलग क्षेत्र से मानते हैं

नेपाल मुख्य काली नदी को कालापानी के पश्चिम में बहने वाली नदी के रूप में मानता है।

इस नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा या इसके समीप में स्थित लिपुलेख दर्रा का समीप का क्षेत्र है। इस करने पर संपूर्ण कलापानी क्षेत्र पर अपना दावा करता है

जबकि भारत काली नदी का उद्गम पंखागढ़ नामक एक छोटी सी नदी को मानता है। जो कालापानी के दक्षिण में स्थित है।

भारत का इस पर स्पष्ट रुखः है की लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी ये तीनों ही क्षेत्र भारत के अटूट हिस्से हैं। तथा किसी भी राष्ट्र को इन पर दावा करने का कोई हक नहीं है।

Result Mitra

# Topic 3 :– MQ-9B प्रीडेटर

## चर्चा में क्यों:-

भारत के रक्षा मंत्रालय में हाल ही में अमेरिका से 30 एमक्यू-9वी प्रीडेटर ड्रोन (सीगार्जियन वेरिएंट) खरीदने की मंजूरी प्रदान की है।

इन विमान को अमेरिका से खरीदा जाएगा तथा यह एक प्रकार के ड्रोन है जो निगरानी के साथ-साथ अटैक करने की भी काबिलियत रखते हैं

**MQ-9B प्रीडेटर ड्रोन:**

यह एक मानव रहित हवाई ड्रोन (यूएवी) है

इसकी विशेषता इसकी विशेषता अधिक ऊंचाई तथा लंबे समय तक अभियान को करने की है तथा यह खुफिया जानकारी एकत्रित करने के साथ-साथ अपने टारगेट को खत्म करने की भी काबिलियत रखता है

एक मानव रहित ड्रोन होने के कारण इसे दूर से नियंत्रित किया जा सकता है साथ ही यह स्वायत्त उड़ान संचालन में भी सक्षम है।

**किसने विकाश किया :–** जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स (GA-ASI) द्वारा विकसित

**इस ड्रोन के उपयोग :–**

1.निगरानी
2. खुफिया जानकारी जुटाने
3. हवाई हमलों के लिए ।

MQ-9B ड्रोन दो प्रकार में आता हैं: पहला स्काई गार्जियन और दूसरा सी गार्जियन।

Result

**MQ-9B ड्रोन की विशेषताएँ:**

- यह ड्रोन 5,670 किलोग्राम तक वजन ले जाने में सक्षम है
- इस ड्रोन की ईंधन क्षमता 2,721 किलोग्राम है।
- इस ड्रोन की अधिकतम ऊंचाई पर जाने की क्षमता 40,000 फीट है।
- यह ड्रोन इतना शांत है की जमीन से 250 मीटर की ऊंचाई पर होने पर भी इसकी जानकारी दुश्मन को नहीं लगती जब तक कि वह खुद इसे ना देखें
- यह ड्रोन लगातार 40 घंटे तक अपने मिशन को अंजाम दे सकता है
- इस ड्रोन की गति 275 मील प्रति घंटे ( 442 किमी/घंटा ) है।
- ड्रोन में कई प्रकार की आधुनिक मिसाइल का प्रयोग किया जा सकता है

## Topic 4 :– सह्याद्री टाइगर रिजर्व (एसटीआर)

**चर्चा के क्यों :–** हाल ही में महाराष्ट्र वन विभाग द्वारा निर्णय लिया गया है कि चंद्रपुर में ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) से कुछ बाघों को सह्याद्री टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित किया जाएगा।

Result Mitra

**सह्याद्री टाइगर रिजर्व के बारे में:**

**सह्याद्री टाइगर रिजर्व अवस्थिति :-** पश्चिमी घाट की सह्याद्रि पर्वतमाला में ( महाराष्ट्र ) ।

इस टाइगर रिजर्व को चंदोली राष्ट्रीय उद्यान और कोयना वन्यजीव अभयारण्य के क्षेत्रों को सम्मिलित कर 2010 ने अधिसूचित किया गया था।

इस टाइगर रिजर्व के उत्तरी भाग का निर्माण कोयना वन्यजीव अभयारण्य (वर्ष 1985 में अधिसूचित) द्वारा जबकि दक्षिणी भाग का निर्माण चंदोली राष्ट्रीय उद्यान (वर्ष 2004 में अधिसूचित), द्वारा किया जाता है।

यह टाइगर रिजर्व राज्य के चार जिलों सांगली , सतारा, कोल्हापुर और रत्नागिरी में विस्तृत है।

इसका कुल क्षेत्रफल 1165.57 वर्ग किमी है । कोयना बांध और वार्ना नदी इस टाइगर रिज़र्व के क्षेत्र में शामिल हैं

**अन्य प्रमुख विशेषताएं:** यह टाइगर रिजर्व पश्चिमी घटना में अवस्थित है

**इस रिजर्व में प्राप्त वनस्पतियों :-** नम सदाबहार, अर्ध- सदाबहार, नम और शुष्क पर्णपाती प्रकार की ।

**इस रिजर्व में प्राप्त जीव-जंतु :-** तेंदुआ, भेड़िया, सियार ,जंगली कुत्ते और छोटी बिल्लियाँ।

इस टाइगर रिजर्व में पाई जाने वाली भिन्य भिन्य प्रजातियां:-पक्षियों की 244 , स्तनधारियों की 33 , उभयचरों की 22 ,तितली की 120 , सरीसृपों की 44 , मीठे पानी की मछलियों की 50 प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Result M

यह टाइगर रिजर्व  देश के उन पांच टाइगर रिजर्वों में सामिल है जिनमे  एक भी बाघ नहीं पाया जाता ।
अन्य चार  अरुणाचल प्रदेश में कमलांग,तेलंगाना में कवल, मिजोरम में डंपा और ओडिशा में सतकोसिया।

महाराष्ट्र में  स्थित अन्य बाघ अभयारण्यः बोर टाइगर रिजर्व,पेंच टाइगर रिजर्व,  मेलघाट टाइगर रिजर्व, नवेगांव-नागजीरा टाइगर रिजर्व, और ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व।

Result Mitra